

ग्रसाचा रस

EXTRAORDINARY

भाग II--- आवड 3--- उपस्थवड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 240]

नई विल्ली, शनिवार, जून 30, 1973/श्रावाह 9, 1895

No. 240]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 30, 1973/ASADHA 9, 1895

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रालग सफलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June 1973

S.O. 365(E).—In exercise of the powers conferred by section 73A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby directs that the following amendment shall be made in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour No. S.R.O. 279, dated the 6th February, 1952, namely:—

In the said notification, after the second proviso to paragraph 2, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided also that in the case of wage period commencing before and ending on or after the 30th June, 1973, the amount to be included in such wage bill, shall be such amount as bears to the wages for such wage period, the same proportion which the number of days included in the wage period from the first day of such wage period to the 30th June, 1973 (both days inclusive) bears to the total number of days in such wage period".

[No. S-38011(2)/73-HI.]

D. S. NIM, Jt. Secy.

श्रम ग्रीर पुनर्वास मंत्रालय (श्रम ग्रीर रोजगार विभाग)

मधिसूचना

नई विल्ली, 30 जून, 1973

एस० भो० 365 (भ).—कर्मेचारी राज्य बीमा श्रिष्ठितियम, 1948 की धारा 73 क द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निर्देश देती है कि भारत सरकार के भूरार्व श्रम मंत्रालय की भ्रष्ठि- सूचना सं० का० नि० ग्रा० 279, तारीख 6 फरवरी, 1952 में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा मर्थात :—

उक्त ग्रश्चिसूचना में, पैरा 2 के द्वितीय परन्तुक के पश्चात निम्नलिखित परन्तुक श्रंतःस्थापित किया जाएगा, ग्रामीत :---

"परन्तु यह और भी कि 30 जून, 1973 से पहले झारम्भ होने वाली और उस तारीख को या उसके पश्चात् समाप्त होने वाली मजबूरी कालावधि की वशा में, ऐसे मजबूरी बिल में सम्मिलित की जाने वाली रकम ऐसी होगी जिसका अनुपात उस मजबूरी कालावधि की मजबूरी के से बही होगा जो ऐसी मजबूरी कालावधि के पहले दिन से 30 जून, 1973 (दोनों दिनों को सम्मिलित करते हुए), तक की मजबूरी कालावधि में सम्मिलित दिनों की संख्या का उस मजबूरी कालावधि के पूरे दिनों की संख्या से हो"।

एस-38-11 (2)/73-एच म्राई] डीo एसo निम, संयक्त सचिव ।